IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, March 2026
Impact Factor: 8.2

समकालीन वैश्विक परिदृश्य में भारतीय विदेश नीति की चुनौतियाँ : एक बहुआयामी विश्लेषण

डॉ. सर्वेश्वर उपाध्याय

सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)

डॉ. हरिसिंह गौर महाविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश)

सार (Abstract)

21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत की विदेश नीति एक ऐसे वैश्विक वातावरण में संचालित हो रही है जो तीव्र परिवर्तन, अनिश्चितता और बहुस्तरीय प्रतिस्पर्धा से युक्त है। शीत युद्धोत्तर काल की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था अब बहुध्रुवीयता की ओर अग्रसर है, जहाँ अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस-यूक्रेन युद्ध, तकनीकी क्रांति, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक शासन संस्थाओं की सीमाएँ अंतरराष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा दे रही हैं। इन परिस्थितियों में भारत एक उभरती हुई शक्ति के रूप में न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रहा है, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज़ बनने और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने का भी प्रयास कर रहा है। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य समकालीन वैश्विक परिदृश्य में भारतीय विदेश नीति के समक्ष उपस्थित भू-राजनीतिक, आर्थिक, तकनीकी, पर्यावरणीय और संस्थागत चुनौतियों का बहुआयामी विश्लेषण करना है तथा यह आकलन करना है कि "रणनीतिक स्वायत्तता" की अवधारणा इन चुनौतियों से निपटने में किस प्रकार सहायक सिद्ध हो रही है।

मुख्य शब्द: भारतीय विदेश नीति, रणनीतिक स्वायत्तता, बहुध्रुवीय विश्व, वैश्विक दक्षिण, भू-राजनीति

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-31421